यूजी में बिना पढ़े सब्जेक्ट में भी बीयू कराएगा मास्टर डिग्री

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में अगले साल से चार वर्षीय यूजी कोर्स के साथ एक साल का पीजी कोर्स शुरू किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत विद्यार्थियों को पीजी के लिए कुछ खास सुविधाएं दी हैं। इसके तहत छात्रों को अपनी पसंद के विषय पर मास्टर डिग्री में दाखिला लेने के लिए स्वतंत्र होंगे।

विद्यार्थी अब मास्टर डिग्री में आसानी से एक से दूसरी स्ट्रीम में जा सकेगा। खास बात तो यह है कि ऐसे विषय जो छात्रों ने स्नातक में नहीं भी पढ़े हैं, उनमें भी मास्टर किया जा सकता है। नए विषय के लिए छात्र को सीयूईटी पीजी जैसे किसी नेशनल लेवल के एंट्रेंस टेस्ट को क्लियर करना होगा। यूजीसी कमीशन की हाल में हुई मीटिंग में नए फ्रेमवर्क को मंजूरी भी दे दी गई है।

यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम. जगदीश कुमार का कहना है कि नए पीजी करिकुलम फ्रेमवर्क में छात्रों को एक डिसीप्लिन (स्ट्रीम) से दूसरे में शिफ्ट करने की सुविधा दी गई है। छात्रों ने यूजी में मेजर या माइनर जो भी विषय पढ़े होंगे, उनमें से किसी भी स्ट्रीम में छात्र पीजी के डिग्री पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। अभी तक पीजी के लिए मेजर विषय का होना जरूरी था। एमबीएम के प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अगर किसी छात्र ने यूजी में इकनॉमिक्स ऑनर्स के साथ पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री जैसे मेजर सब्जेक्ट लिए हैं और दूसरे माइनर विषय चुने हैं, तो इनमें से किसी भी विषय में वह मास्टर की डिग्री ले सकेंगे। इस तरह से उसके बाद बहुत सारे विषयों में मास्टर कोर्स करने के विकल्प होंगे।

विश्वविद्यालय में इस साल पीजी कोर्स में भी सीयूईटी के माध्यम से ही प्रवेश दिए गए थे। चार वर्षीय यूजी और एक वर्षीय पीजी कोर्स की तैयारी भी की जा रही है। यूजीसी की गाइड लाइन के अनुसार प्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

» प्रो. सुरेश कुमार जैन, कुलपति बीयू

गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर बैठक

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

मंडीदीप में आयोजित होने वाले 108 कुंडीय गायत्री यज्ञ की तैयारियों को लेकर गायत्री शिक्तिपीठ भोपाल पर भोपाल के सभी चेतना केंद्र, प्रज्ञा पीठ, मंडीदीप एवं रायसेन जिले की महिला मंडल की बहनों की संयुक्त गोष्ठी कर यज्ञ को भव्य ओर व्यवस्थित बनाने के लिए ,जैसे कलश यात्रा की जिम्मेदारियां, यज्ञशाला के 108 कुंड के 27, 27 के चार ब्लॉक में अलग-अलग चेतना केंद्र की महिला टोलियों की जिम्मेदारियां एवं भोजन शाला,साहित्य स्टाल, सप्त आंदोलन प्रदर्शनी, पंजीयन, 108 कुंडो के लिए जोड़े का पंजीयन, यज्ञीय अनुशासन का मार्गदर्शन मधु श्रीवास्तव दीदी, विनोद गुप्ता, सुरेश श्रीवास्तव, अमर धाकड़ ने दिया। दूसरी ओर यज्ञ प्रचार टोली ने मंडीदीप के गज्जू पिपलिया और मधुबन कॉलोनी लौटस कॉलोनी शीतल कॉलोनी में प्रचार किया और पीले चावल देकर सभी को यज्ञ में आने का निमंत्रण दिया। इसी के साथ भोपाल के भोपाल के 6 चेतना केंद्र कोलार गायत्री चेतना, लालघाटी चेतना रेलवे चांदवड़, मीनल कॉलोनी, प्रकाश नगर अयोध्या एवं प्रज्ञापीठ बरखेड़ा पर सघन संपर्क कर क्षेत्र के चेतना केंद्र के भाइयों बहनों को यज्ञशाला में अलग-अलग कार्यों के लिए सूचीबद्ध कर कार्यों का बटवारा किया साथ में समयदान अंशदान एवं हर कॉलोनी में घर-घर संपर्क कर निमंत्रण देने का आग्रह किया।

भेल कारखाने में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों पर लगेगा स्टीकर

भोपाल। भेल भोपाल कारखाना परिसर में अब प्रवेश करने वाले दुपहिया और चार पहिया वाहनों पर स्टीकर लगा नजर आएगा, तभी उन्हें परिसर में प्रवेश मिलेगा। कारखाने में सुरक्षा को देखते हुए यह प्रशासनिक निर्णय प्रबंधन ने लिया है। इसके तहत सभी कर्मचारियों को दुपहिया और चार पहिया वाहनों की जानकारी कर्मचारी पोर्टल पर अपडेट करना होगी। इसके बाद उन्हें स्टीकर जारी किया जाएगा। जिसे कर्मचारियों को अपने वाहन पर चस्पा करना होगा। इस संबंध में भेल के मानव संसाधन विभाग ने सर्कुलर जारी कर दिया है।

ठेका श्रमिकों की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

भोपाल। सीटू यूनियन के का.महासचिव दीपक गुप्ता के नेतृत्व में भेल के महाप्रबंधक मानव संसाधन बीघे सिंह को कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों की मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा. जिसमें मुख्य रूप से नए कर्मचारियों की भर्ती की जाए. अनुकंपा नियुक्ति प्रारंभ की जाए. रात्रि कालीन भत्ता बढ़ाया जाए. ठेका श्रमिकों का वेतन ठेकेदीय स्तर का किया जाए सहित कई अन्य मांगों के लिए बात कही गई है। सीटू के सभी पदाधिकारियों के कहा की यदि जल्द ही मांगों को नहीं मानी गई तो सीटू यूनियन जल्द की बड़े आंदोलन की तैयारी करेगी।

मुख्यालय के आदेशों का जिलों में नहीं हो रहा पालन

भोपाल। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय द्वारा समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को वर्षों पहले आउट सोर्स एजेंसियों द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों को अर्ध कुशल श्रमिक दर से भुगतान करने के आदेश दिए गए हैं लेकिन उपर आदेश का पालन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सागर, उमरिया, रतलाम, सतना, भिंड, कटनी सीधी द्वारा पूर्व रूप से आदेश का परिपालन नहीं किया जाकर मात्र 5500 दिए जा रहे हैं। इसी प्रकार अन्य जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल के द्वारा भी शासन द्वारा निर्धारित अर्द्ध कुशल श्रमिक दर 11082 रुपए के अनुसार भुगतान नहीं कराया जा रहा है सभी जिलों में आउटसोर्स कर्मचारियों को मन मर्जी अनुसार सभी जिलों में अलग अलग वेतन दिया जा रहा है जबकि शासन द्वारा एक समान बजट दिया जा रहा है फिर भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मचारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक एवं आउट सोर्स एजेंसियों द्वारा उनका लगातार शोषण किया जा रहा है। एन एच एम संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने मिशन संचालक और शासन को पत्र लिखकर इस विसंगति को दूर करने की मांग की है।

भेल कॉलेज में विजेता प्रतिभागियों को दिए मेडल और प्रमाण पत्र

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्वातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष में चार दिवसीय कार्यक्रम अनंत का आयोजन किया जा रहा था, जिसका एक्सपर्ट लेक्चरों के साथ उन प्रतियोगिताओं के आयोजन के बाद मेडल एवं प्रमाण पत्र विजेता प्रतिभाओं को वितरित कर समापन हुआ।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ.वर्षा चौहान ने बताया कि महाविद्यालय के गणित विभाग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद गणित विभाग के द्वारा आयोजन किया गया है। कार्यक्रम अनंत के अंतर्गत ऑनलाइन गणित क्विज, रंगोली प्रतियोगिता, ग्रेफ्स पेंटिंग, ड्राइलिंग, विशेष व्याख्यान डॉ. अनुज हुंडेत, उच्च शिक्षा उत्कृष्ट संस्थान भोपाल एवं सुश्री हर्षअत्रे, अमित गुप्ता के द्वारा व्याख्यान दिए गए। एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसके प्रतिभागी विजेता छात्र-छात्राओं को डॉ.अनुज हुंडेत के हाथों प्रमाण पत्र एवं मैडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर गणित विभाग की एचओडी डॉ. अर्चना जैन, प्रोफेसर सुश्री आरती पटेल एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विलीनीकरण आंदोलन के सिपाही को किया याद

भोपाल। विलीनीकरण आंदोलन के सिपाही और प्रखर समाजसेवी स्व. राजाराम श्रवण बाबूजी की पुण्य तिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। स्व. बाबूजी की स्मृति में प्रतिवर्ष अनुसार शाहजहानाबाद स्थित आसरा वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों को श्रद्धा भोज कराया। इस अवसर श्रद्धांजलि सभा में गांधी भवन ट्रस्ट के प्रमुख श्री दयाराम नामदेव बाबूजी के ज्येष्ठ सुपुत्र विजय शंकर श्रवण,अजय श्रवण,संजय श्रवण सहित अन्य उपस्थितों में पूर्व पार्षद जीवनलाल घोसरे, घनश्याम बिलवान, सुरेश जाधव, विपिन टोप्पो, प्रदीप नगर, संदीप धौलपुरिया इत्यादि शामिल रहे।

पुराने सर्वधर्म पुल के पुनर्निर्माण की मांग

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

कोलार में सर्वधर्म के पास स्थित पुराने पुल का पुनर्निर्माण जरुरी है क्योंकि कालियासोत नदी पर यह पुलि 1980 के आसपास बनाया गया था जो कि जर्जर स्थिति में है मगर कोलार सिक्सलेन के इतने बड़े प्रोजेक्ट मे भी पुराने वाले सर्वधर्म पुल को नवनिर्माण मे सम्मिलित नहीं किया गया है।

कांग्रेस नेता राहुल राठौड़ ने भोपाल कलेक्टर,लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता एवं भोपाल पी डब्लू डी के मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर मांग की है कि इस पुराने सर्वधर्म पुल लगभग 35 वर्ष पूर्व कोलार डेम आने-जाने एवं ग्रामीण आबादी को भोपाल से जोड़ने के लिए बनाया गया था मगर वर्तमान में कोलार में इस पुल से लाखों लोग प्रतिदिन आना-जाना करते है जिससे ट्राफिक का भारी लोड सड़क एवं पुल पर होता है ऐसे में अगर पुराने वाले सर्वधर्म पुल का पुर्ननिर्माण नहीं किया गया तो भविष्य में यह पुल ट्राफिक का इतना भार नहीं सह पाएगा इसलिए पुराने सर्वधर्म पुल का भी कोलार सिक्स लेन के साथ ही पुर्ननिर्माण किया जायें। राठौर ने कोलार सिक्सलेन के सेंट्रल वर्ज को मेट्रो के लिए खाली रखने की भी मांग की हैं। उन्होंने पत्र में कहा है कि कोलार सिक्स लेन के सेन्ट्रल वर्ज से भविष्य में मैट्रो की लाईन प्रस्तावित है जिसके कारण सेन्ट्रल वर्ज को रिक ही छोड़ा जाना था मगर फिर भी सेन्ट्रल वर्ज मे अभी स्ट्रीट लाईट के बिजली के खम्बे लगा दिये गये हैं और भविष्य में आने वाली मैट्रो की लाईन के लिए कोई भी रिक स्थान नहीं छोड़ा गया हैं। कोलार में मैट्रो की लाईन बनने पर शासन द्वारा इन खम्बो को कोलार सिक्सलेन के सेन्ट्रल वर्ज को हटाया जायेगा जिससे कि शासन को करोड़ो रूपये का नुकसान हो सकता हैं।

भारतीय संस्कृति में मेले का अद्भुत महत्व : तोमर

सच प्रतिनिधि ।। भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला मंच पर अधिरोहा बैंड के कलाकारों द्वारा सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

विधानसभा अध्यक्ष ने मेले के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह मेला हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। हमारी भारतीय संस्कृति में मेले का अद्भुत महत्व है। देश भर में बड़ी सी बड़ी और छोटी सी छोटी जगह पर मेले का आयोजन किया जाता है। मेले के माध्यम से संस्कृतियों, बोलियों का मिलन होता है। मेला एक दूसरे से मेल-मिलाप का मौका देता है, जिससे हम वर्षों से नहीं मिल पाते उससे इन मेलों में पहुंचकर मिल पाते हैं।
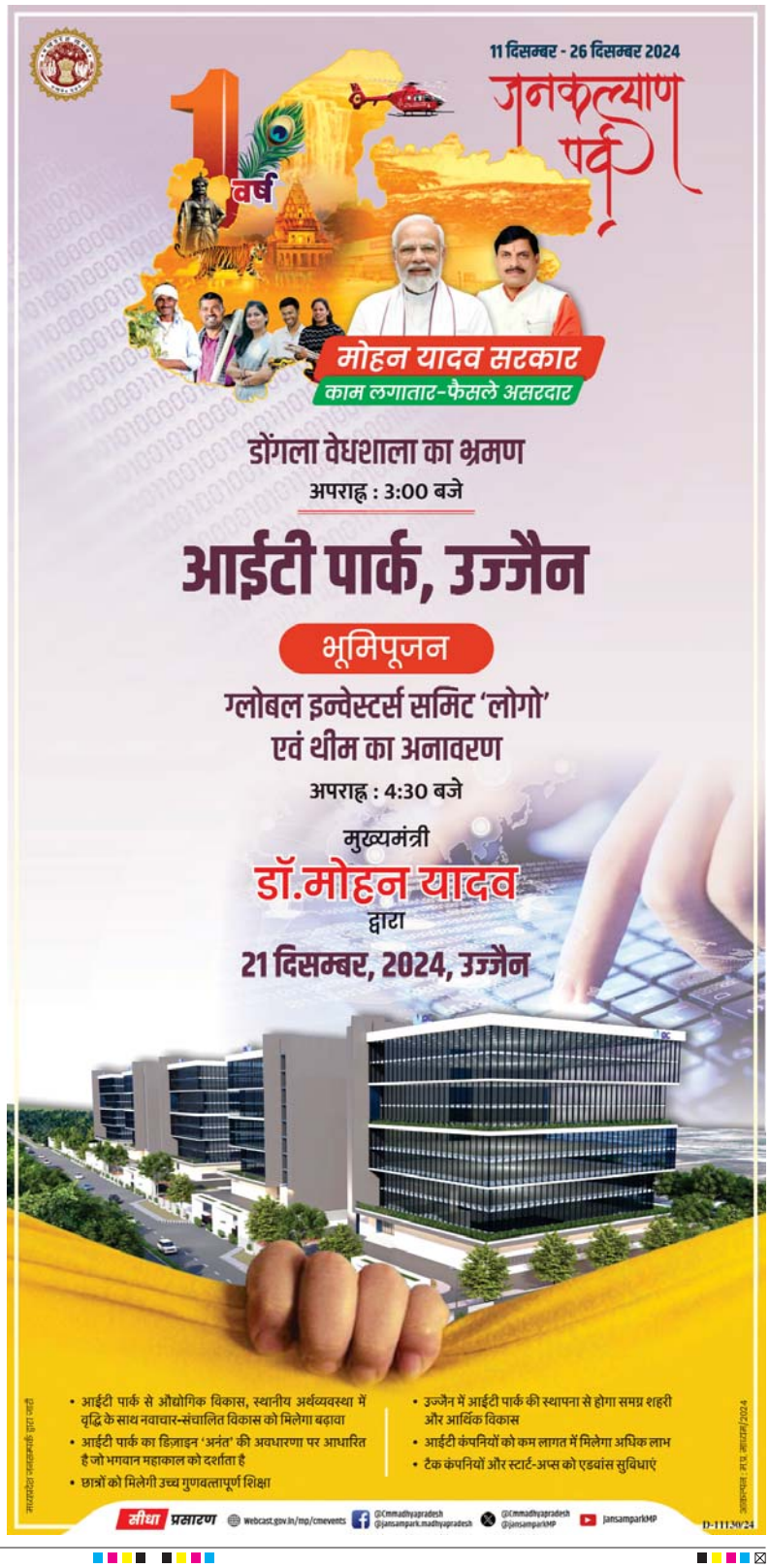
राजाभोज के नाम पर मेला आयोजित करने वाले संयोजक विकास वीरानी और अध्यक्ष सुनील यादव की कल्पना को सलाम करता हूं। मेला आयोजकों के लिए बहुत बधाई। भोजपाल महोत्सव मेला भोपाल में अति आवश्यक था। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील शाह, मधु भावनानी, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नागर, विनय सिंह, केश कुमार शाह, चंदन वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।